अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल
आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना

तत्त्व–प्रचेता (पाठ्यक्रम)

प्रथम वर्ष : पूर्णांक – 200

प्रथम प्रश्न पत्र	पूर्णांक 100
कंठस्थ : पच्चीस बोल	20 अंक
पच्चीस बोल की चर्चा (तत्त्व प्रचेता भाग–1)	45 अंक
पच्चीस बोल की चतुर्भंगी	35 अंक
द्वितीय प्रश्न पत्र	
गीतिका कंठस्थ : प्राणी समकित किण विध आई रे– भावार्थ सहित (तत्त्व प्रचेता भाग–1)	10 अंक
दृढ़ समकित धर थोड़ला – भावार्थ सहित	10 अंक
जैन तत्त्व विद्या (आचार्य तुलसी)	50 अंक
तत्त्वचर्चा प्रश्नोतर सहित	30 अंक

द्वितीय वर्ष : पूर्णांक– 200

प्रथम प्रश्न पत्र	पूर्णांक 100
कंठस्थ : जैन तत्त्व प्रवेश (प्रथम खंड) (अमृत कलश भाग–2)	30 अंक
प्रतिक्रमण	20 अंक
कर्म प्रकृति (तत्त्व–दीपिका)–(साध्वी जिनप्रभा)	25 अंक
गीतिका कंठस्थ : प्राणी कर्म समो नहीं कोई– भावार्थ सहित (आत्मबोध–गीत)	10 अंक
पूर्व वर्ष के दोनों प्रश्न पत्र के कंठस्थ पाठ्यक्रम से **(पच्चीस बोल की चर्चा, चतुर्भंगी, तत्त्वचर्चा)**	15 अंक
द्वितीय प्रश्न पत्र	पूर्णांक 100
पुस्तक अध्ययन : नव पदार्थ (जीव–अजीव)	40 अंक
अवबोध (जीव तत्त्व से संवर तत्त्व तक)– (मंत्री मुनि सुमेरमल)	30 अंक
अमृत कलश भाग– 3 छठा एवं सातवां चषक (तप को छोड़कर)	30 अंक

तृतीय वर्ष : पूर्णांक – 200

प्रथम प्रश्न पत्र	पूर्णांक 100
कंठस्थ : जैन तत्त्व प्रवेश (अमृत कलश भाग–2) (द्वितीय व तृतीय खंड)	30 अंक
बावन बोल (तत्त्वज्ञान : तीन पायदान) – (साध्वी जिनप्रभा)	25 अंक
इक्कीस द्वार– (साध्वी जिनप्रभा) (तत्त्व दीपिका)	25 अंक
पूर्व दो वर्ष के कंठस्थ पाठ्यक्रम से (पच्चीस बोल की चर्चा, चतुर्भंगी, तत्त्वचर्चा, कर्म प्रकृति)	20 अंक
द्वितीय प्रश्न पत्र	पूर्णांक 100
पुस्तक अध्ययन : नव पदार्थ (पुण्य–पाप)	50 अंक
गीतिका कंठस्थ : दस दान–भावार्थ सहित (आत्मबोध–गीत)	10 अंक
अठारह पाप–भावार्थ सहित (आत्मबोध–गीत)	10 अंक
अवबोध (निर्जरा से देवगति तक) मंत्री मुनि सुमेरमल	30 अंक

चतुर्थ वर्ष : पूर्णांक– 200

प्रथम प्रश्न पत्र

कंठस्थ : लघु दण्डक (तत्त्व–दीपिका)– (साध्वी जिनप्रभा) 30 अंक

पांच ज्ञान (तत्त्व–दीपिका) 30 अंक

गीतिका कंठस्थ : गुणस्थान दिग्दर्शन– भावार्थ सहित (आत्मबोध–गीत) 10 अंक

पूर्व तीन वर्ष के कंठस्थ पाठ्यक्रम से (पच्चीस बोल की चर्चा, चतुर्भंगी, तत्त्वचर्चा, कर्मप्रकृति, बावन बोल, इक्कीस द्वार) 30 अंक

द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक 100

पुस्तक अध्ययन : नव पदार्थ (आश्रव और संवर) 50 अंक

कंठस्थ : श्रावक–संबोध–व्याख्या सहित (प्रथम खंड)– (आचार्य तुलसी) 20 अंक

अवबोध (मनुष्य गति से शील धर्म तक)– (मंत्री मुनि सुमेरमल) 30 अंक

पंचम वर्ष : पूर्णांक – 200

प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक 100

कंठस्थ : संजया (तत्त्व दीपिका)– (साध्वी जिनप्रभा) 30 अंक

नियंठा (तत्त्व–दीपिका) – (साध्वी जिनप्रभा) 30 अंक

गीतिका कंठस्थ : नियंठा दर्शन – भावार्थ सहित (आत्मबोध–गीत) 10 अंक

पूर्व चार वर्ष के कंठस्थ पाठ्यक्रम से (पच्चीस बोल की चर्चा, चतुर्भंगी, तत्त्वचर्चा, क्रमप्रकृति, बावन बोल, इक्कीस द्वार, लघु दण्डक व पांच ज्ञान) 30 अंक

द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक 100

पुस्तक अध्ययन : नव पदार्थ (निर्जरा, बंध और मोक्ष) 50 अंक

कंठस्थ : श्रावक–संबोध–व्याख्या सहित (द्वितीय खंड) 20 अंक

अवबोध (तप धर्म से बंध व विविध तक)– (मंत्री मुनि सुमेरमल) 30 अंक

छठा वर्ष : पूर्णांक– 300

प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक 100

कंठस्थ : काय स्थिति (तत्त्व–दीपिका) – (साध्वी जिनप्रभा) 50 अंक

गतागत (तत्त्व–दीपिका) – (साध्वी जिनप्रभा) 50 अंक

द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक 100

पूर्व पांचों वर्ष के कंठस्थ थोकड़े 50+50 अंक

मौखिक व लिखित परीक्षा : 50+50= अंक

नोट : छठे वर्ष की मौखिक व लिखित परीक्षा छहों वर्ष के कंठस्थ थोकड़े :– तत्त्वचर्चा, पच्चीस बोल की चर्चा, पच्चीस बोल की चतुर्भंगी, कर्म प्रकृति, बावन बोल, इक्कीस द्वार, लघु दण्डक, पांच ज्ञान, संजया, नियंठा, कायस्थिति, गतागत) केन्द्र में आयोजित की जायेगी। विशेष परीक्षा (मौखिक व लिखित)